Ом Шри Саи Рам

चमकम्

РУДРАМ. ЧАМАКАМ

Анувака 5

अश्मा॑ च मे मृत्ति॑का च मे गि॒रय॑श्च मे॒ पर्व॑ताश्च मे॒ सिक॑ताश्च मे॒ वन॒स्पत॑यश्च मे॒ हिर॑ण्यं च॒ मेऽय॑श्च मे॒ सीसं॑ च मे॒ त्रपु॑श्च मे श्या॒मं च॑ मे लो॒हं च॑ मे॒ऽग्निश्च॑ म॒ आप॑श्च मे वी॒रुध॑श्च म॒ ओष॑धयश्च मे कृष्ट॒प्च्यं च॑ मेऽकृष्ट॒प्च्यं च॑ मे ग्रा॒म्याश्च॑ मे प॒शव॑ आर॒ण्याश्च॑ य॒ज्ञेन॑ कल्पन्ताम् ॥१०॥

ащма̄́ ча ме мриттика̄ ча ме гирая́щча ме парва́та̄щча ме сика́та̄щча ме ванаспата́ящча ме хира́ньям ча ме я́щча ме сӣса́м ча ме трапу́щча ме щья̄мам ча́ ме лохам ча́ ме гнищча́ ма а̄па́щча ме вӣрудха́щча ма оша́дхаящча ме криштапачьям ча́ ме криштапачьям ча́ ме гра̄мья̄щча́ ме пащава́ а̄ранья̄щча́ ягнена́ кальпантам ॥ 10 ॥

Да буду я благословлён обширными землями, богатыми драгоценными каменьями, высокими холмами и горами, порождающими многочисленные реки, а также лесами, полными фруктовых деревьев. Да будут мои земли богаты минералами, такими как золото, серебро, железо, олово, бронза, свинец и медь. Да будет моя земля покрыта плотным слоем растительности, включающей травы, культурные и дикие растения. Да буду я в изобилии наделён стадами и другими домашними животными, которые помогают нам совершать обряды жертвоприношения.

अश्मा॑ च मे मृत्ति॑का च मे गि॒रय॑श्च मे॒ पर्व॑ताश्च मे॒

ащма̄́ ча ме мриттика̄ ча ме гирая́щча ме парва́та̄щча ме

सिक॑ताश्च मे॒ वन॒स्पत॑यश्च मे॒ हिर॑ण्यं च॒ मेऽय॑श्च मे॒

сика́та̄щча ме ванаспата́ящча ме хира́ньям ча ме я́щча ме

सीसं॑ च मे॒ त्रपु॑श्च मे श्या॒मं च॑ मे

сӣса́м ча ме трапу́щча ме щья̄мам ча́ ме

लोहं च मेऽग्निश्च म आपश्च मे

лохам ча́ ме гнищча́ ма а̄па́щча ме

वीरुधश्च म ओषधयश्च मे कृष्टपच्यं च मेऽकृष्टपच्यं च मे

вӣрудха́щча ма оша́дхаящча ме криштапачьям ча́ ме криштапачьям ча́ ме

ग्राम्याश्च मे पशव आरण्याश्च यज्ञेन कल्पन्ताम्

гра̄мья̄щча́ ме пащава́ а̄ранья̄щча́ ягнена́ кальпантам

वित्तं च मे वित्तिश्च मे भूतं च मे भूतिश्च मे वसु च मे वसतिश्च मे कर्म च मे शक्तिश्च मेऽर्थश्च म एमश्च म इतिश्च मे गतिश्च मे ॥११॥

виттам ча́ ме витти́щ ча ме бхӯта̄м ча́ ме бхӯти́щча ме васу́ ча ме васатищча́ ме карма́ ча ме щакти́щча ме ртха́щ ча ма ема́щча ма ити́щча ме гати́щча ме ॥11॥

Да буду я наделён способностью преумножить наследие предков своим трудом. Да буду я благословлён детьми, обладающими способностями и доблестью, необходимыми для достижения успеха в мире. Да будет у меня удобное жильё для размещения моей семьи. Да буду я обладать решимостью, чтобы успешно проводить священные обряды, ритуалы и жертвоприношения. Да буду я наделён радостью и счастьем за исполнение священных предписаний. Пусть достигну я окончательной цели жизни.

वित्तं च मे वित्तिश्च मे भूतं च मे भूतिश्च मे

виттам ча́ ме витти́щ ча ме бхӯта̄м ча́ ме бхӯти́щча ме

वसु च मे वसतिश्च मे कर्म च मे

васу́ ча ме васатищча́ ме карма́ ча ме

शक्तिश्च मेऽर्थश्च म एमश्च म इतिश्च मे गतिश्च मे

щакти́щча ме ртха́щ ча ма ема́щча ма ити́щча ме гати́щча ме